ISSN: 2456–5474 RNI No.UPBIL/2016/68367 Vol.-5* Issue-7* August- 2020
Innovation The Research Concept

कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक सम्प्राप्ति का शैक्षिक समायोजन के सन्दर्भ में अध्ययन

Study of Educational Achievement of Students of Kasturba Gandhi Balika Vidyalaya In The Context of Educational Adjustment

Paper Submission: 16/08/2020, Date of Acceptance: 26/08/2020, Date of Publication: 27/08/2020

सुमन लता तिरूवा
शोधार्थिनी
शिक्षाशास्त्र विभाग
हे0न0ब0 गढ़वाल
विश्वविद्यालय, श्रीनगर,
गढ़वाल, उत्तराखण्ड, भारत

पी0के0 जोशी
प्रोफेसर,
शिक्षाशास्त्र विभाग
हे0न0ब0 गढ़वाल
विश्वविद्यालय, श्रीनगर,
गढ़वाल, उत्तराखण्ड, भारत

सारांश

समायोजन विद्यार्थियों की शैक्षिक प्रगति का आधार है। इसी तथ्य को ध्यान में रखते हुए शोधार्थिनी द्वारा प्रस्तुत शोध समस्या का चयन किया गया। कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में अध्ययनरत् उच्च प्राथमिक स्तर के विद्यार्थियों के शैक्षिक समायोजन व उनकी शैक्षिक सम्प्राप्ति के मध्य सहसम्बन्ध का अध्ययन करना तथा प्रतिगमन विश्लेषण में कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में अध्ययनरत् उच्च प्राथमिक स्तर के विद्यार्थियों के शैक्षिक समायोजन द्वारा उनकी शैक्षिक सम्प्राप्ति में होने वाले मानदण्ड प्रसरण का अध्ययन करना है। प्रस्तुत शोध हेतु शोध एवं शून्य दोनों प्रकार की परिकल्पनाओं का निर्माण किया गया। शोधार्थिनी द्वारा प्रस्तुत शोध के लिए सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया। शोध में कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों की 450 बालिकाओं को न्यादर्श के रूप में सम्मिलित किया गया। न्यादर्श का चयन करने के लिए बहुस्तरीय स्तरीकृत यादृच्छिक न्यादर्श प्रविधि का प्रयोग किया गया। शैक्षिक सम्प्राप्ति को मानदण्ड चर तथा शैक्षिक समायोजन को पूर्वानुमानक चर के रूप में लिया गया। शैक्षिक सम्प्राप्ति का मापन पूर्व कक्षा में प्राप्त किये गये अंकों के आधार पर तथा शैक्षिक समायोजन का मापन सीमा रानी व डॉ0 बसन्त बहादुर सिंह द्वारा निर्मित एजुकेशनल एडजस्टमेंट इन्वेन्टरी द्वारा किया गया। प्रदत्तों के विश्लेषण के लिए गुणनफल–आघूर्ण सहसम्बन्ध गुणांक तथा रेखीय प्रतिगमन विश्लेषण का प्रयोग किया गया। प्रस्तुत शोध से निष्कर्ष प्राप्त हुआ है कि कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में अध्ययनरत् उच्च प्राथमिक स्तर के विद्यार्थियों के शैक्षिक समायोजन तथा शैक्षिक सम्प्राप्ति के मध्य सार्थक धनात्मक सहसम्बन्ध है। कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में अध्ययनरत् उच्च प्राथमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक सम्प्राप्ति का पूर्वानुमान करने में शैक्षिक समायोजन सार्थक पाया गया।

Adjustment is the basis of educational progress of the students. Keeping the same fact in mind, the presented research problem was selected by researcher. To study the correlation between educational adjustment and Academic achievement of upper primary level students studying in Kasturba Gandhi Balika Vidhyalaya and to study the criterion variance in the Academic achievement of students of upper primary level studying in Kasturba Gandhi Balika Vidhyalaya by their educational adjustment in the regression analysis. Both research and null hypotheses were formulated for this research. The survey method was used for this research by researcher. The research included 450 girls from Kasturba Gandhi Balika Vidhyalaya as samples. The multistage stratified random sampling method was used to select the sample. Academic achievement was taken as the criterion variable and educational adjustment as the predictor variable. The measurement of Academic achievement was based on the marks obtained in the previous class and the educational adjustment was measured by the Educational Adjustment Inventory which is developed by Seema Rani and Dr. Basant Bahadur Singh. The product moment correlation coefficient and linear regression analysis were used to analyze the components. The research has concluded that there is a significant positive correlation between educational adjustment and Academic achievement of upper primary level students studying in Kasturba Gandhi Balika Vidhyalaya. Educational adjustment was found to be meaningful in predicting the Academic achievement of upper primary level students studying in Kasturba Gandhi Balika Vidhyalaya.

मुख्य शब्द : कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय, विद्यार्थी, शैक्षिक सम्प्राप्ति एवं शैक्षिक समायोजन।
Kasturaba Gandhi Balika Vidhyalaya, Academic Achievement and Educational Adjustment

.

प्रस्तावना

शिक्षित बालिकाएं समृद्ध राष्ट्र के विकास का आधार हैं। शिक्षित बालिकाएं अपने विचारों के माध्यम से सम्पूर्ण राष्ट्र को ज्ञानशील, विवेकशील एवं संस्कारी बना सकती हैं। इस दृष्टि से बालिकाओं को शिक्षित करना नितान्त आवश्यक है। बालिका शिक्षा के महत्व पर प्रकाश ड़ालते हुए डॉ0 राधाकृष्णन ने कहा है, *''एक व्यक्ति को शिक्षा प्रदान करने का अर्थ है, एक व्यक्ति को शिक्षित करना परन्तु एक महिला को शिक्षा प्रदान करने का अर्थ है, समस्त परिवार को सुशिक्षित करना।''* बालिकाओं की शिक्षा राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करती है। इसी तथ्य को ध्यान में रखते हुए अनेक कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों का संचालन किया जा रहा है जो इस महान उद्देश्य की पूर्ति में निरन्तर कार्यरत हैं। कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक एवं गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाली बालिकाओं को शिक्षा प्रदान की जाती है।

कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में अध्ययनरत् बालिकाएं विभिन्न जाति वर्गों एवं विभिन्न प्रान्तों की निवासी होती हैं जो शिक्षा प्राप्त करने हेतु एक स्थान पर एकत्र होती हैं। साथ ही उच्च प्राथमिक स्तर में अध्ययनरत् बालिकाएं किशोरावस्था की ओर अग्रसर होती हैं जिस कारण उन्हें अनेक सामाजिक, मानसिक, संवेगात्मक एवं मनोवैज्ञानिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसी स्थिति में बालिकाओं को समायोजन करने में समस्याएं आती हैं। समायोजन एक ऐसा चर है जो बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित कर सकता है। अनेक शोधकार्यों में शैक्षिक उपलब्धि पर समायोजन का सार्थक प्रभाव देखा गया है।

बानो एवं नसीर (2014) के द्वारा किये गये शोध में शैक्षिक उपलब्धि एवं समायोजन एक–दूसरे से सार्थक रूप से सहसम्बन्धित पाये गये।

ठक्कर एवं मोदी (2014) तथा देवी (2015) द्वारा किये गये शोध अध्ययन में विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर समायोजन का सार्थक धनात्मक प्रभाव पाया गया।

वर्मा एवं कुमारी (2016) ने अपने शोध अध्ययन में शैक्षिक उपलब्धि एवं समायोजन के मध्य सार्थक उच्च धनात्मक सहसम्बन्ध पाया।

सीकर एवं लॉरेन्स (2016) द्वारा विद्यार्थियों के संवेगात्मक, सामाजिक तथा शैक्षिक समायोजन का उनकी शैक्षिक उपलब्धि के सन्दर्भ में अध्ययन किया गया। विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का उनके संवेगात्मक, सामाजिक तथा शैक्षिक समायोजन से सार्थक सहसम्बन्ध पाया गया अर्थात् विद्यार्थियों के शैक्षिक समायोजन का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर सार्थक प्रभाव पाया गया।

सरकार एवं बानिक (2017) द्वारा किशोर विद्यार्थियों के समायोजन तथा शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन किया गया।छात्राओं के समायोजन तथा शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक सकारात्मक सहसम्बन्ध पाया गया, जो स्पष्ट करता है कि छात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति को समायोजन सार्थक रूप से प्रभावित करता है।

माडीवाल एवं बमागोंड (2018) द्वारा कर्नाटक के माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि व विद्यालय समायोजन के मध्य सहसम्बन्ध का अध्ययन किया गया, जिसके परिणामों में विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का उनके संवेगात्मक, शैक्षिक तथा सामाजिक समायोजन से सार्थक एवं सकारात्मक सहसम्बन्ध पाया गया। इस शोध के परिणाम भी स्पष्ट करते है कि समायोजन से विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि प्रभावित होती है।

इस प्रकार स्पष्ट है कि शैक्षिक उपलब्धि तथा शैक्षिक समायोजन के सहसम्बन्ध पर अनेक शोधकार्य किये जा चुके हैं। परन्तु कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में अध्ययनरत् बालिकाओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति तथा शैक्षिक समायोजन पर शोधार्थिनी को कोई शोधकार्य उपलब्ध नहीं हो पाया। इस तथ्य को दृष्टिगत रखते हुए शोधार्थिनी ने कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में अध्ययनरत् बालिकाओं के शैक्षिक समायोजन के सन्दर्भ में उनकी शैक्षिक सम्प्राप्ति का अध्ययन करने का निश्चय किया।

शोध के उद्देश्य

प्रस्तुत शोध के उद्देश्य निम्नलिखित हैं :–

1. कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में अध्ययनरत् उच्च प्राथमिक स्तर के विद्यार्थियों के शैक्षिक समायोजन व उनकी शैक्षिक सम्प्राप्ति के मध्य सहसम्बन्ध का अध्ययन करना।
2. प्रतिगमन विश्लेषण में कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में अध्ययनरत् उच्च प्राथमिक स्तर के विद्यार्थियों के शैक्षिक समायोजन द्वारा उनकी शैक्षिक सम्प्राप्ति में होने वाले मानदण्ड प्रसरण का अध्ययन करना।

शोध की परिकल्पनाएं

प्रस्तुत शोध हेतु शोध एवं शून्य दोनों प्रकार की परिकल्पनाओं का निर्माण किया गया है, जो निम्न प्रकार हैं –

शोध परिकल्पना – 1

कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में अध्ययनरत् उच्च प्राथमिक स्तर के विद्यार्थियों का शैक्षिक समायोजन उनकी शैक्षिक सम्प्राप्ति से सार्थक रूप से सहसम्बन्धित है।

शून्य परिकल्पना – 1

कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में अध्ययनरत् उच्च प्राथमिक स्तर के विद्यार्थियों का शैक्षिक समायोजन उनकी शैक्षिक सम्प्राप्ति से सार्थक रूप से सहसम्बन्धित नहीं है।

शोध परिकल्पना – 2

प्रतिगमन विश्लेषण में शैक्षिक समायोजन कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में अध्ययनरत् उच्च प्राथमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक सम्प्राप्ति के मानदण्ड प्रसरण का अच्छा पूर्वानुमानक है।

शून्य परिकल्पना – 2

प्रतिगमन विश्लेषण में शैक्षिक समायोजन कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में अध्ययनरत् उच्च प्राथमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक सम्प्राप्ति के मानदण्ड प्रसरण का अच्छा पूर्वानुमानक नहीं है।

शोध प्रारूप एवं प्रविधि

प्रस्तुत शोध अध्ययन के शोध प्रारूप का विवरण निम्न प्रकार है :–

शोध विधि

शोधार्थिनी द्वारा प्रस्तुत शोध के लिए सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

न्यादर्श एवं न्यादर्श प्रविधि

प्रस्तुत शोध के लिए 450 बालिकाओं को न्यादर्श के रूप में सम्मिलित किया गया। न्यादर्श का चयन कुमाँऊ और गढ़वाल मंडल के 14 कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों से किया गया। न्यादर्श का चयन करने के लिए बहुस्तरीय स्तरीकृत यादृच्छिक न्यादर्श प्रविधि का प्रयोग किया गया।

शोध में प्रयुक्त चर

प्रस्तुत शोध में शैक्षिक सम्प्राप्ति को मानदण्ड चर एवं शैक्षिक समायोजन को पूर्वानुमानक चर के रूप में लिया गया है।

शोध उपकरण

शैक्षिक सम्प्राप्ति का मापन बालिकाओं के पूर्व कक्षा में प्राप्त किये गये प्राप्तांकों के आधार पर किया गया है। बालिकाओं के शैक्षिक समायोजन का मापन सीमा रानी व डॉ० बसन्त बहादुर सिंह द्वारा निर्मित एजुकेशनल एडजस्टमेंट इन्वेन्टरी (2014)द्वारा किया गया है।

सांख्यिकीय प्रविधियाँ

प्रस्तुत शोध में प्रदत्तों के विश्लेषण के लिए गुणनफल–आघूर्ण सहसम्बन्ध तथा रेखीय प्रतिगमन विश्लेषण का प्रयोग किया गया है।

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या

सारणी –1

विद्यार्थियों के शैक्षिक समायोजन तथा शैक्षिक सम्प्राप्ति के मध्य सहसम्बन्ध गुणांक

चर	शैक्षिक समायोजन	शैक्षिक सम्प्राप्ति
शैक्षिक समायोजन	1	0.569**

*** = 0.01 सार्थकता स्तर*

सारणी 1 में कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में अध्ययनरत् उच्च प्राथमिक स्तर के विद्यार्थियों के शैक्षिक समायोजन तथा शैक्षिक सम्प्राप्ति के मध्य सहसम्बन्ध गुणांक प्रदर्शित किया गया है। सारणी से स्पष्ट है कि स्वतन्त्रता की कोटि 448 पर विद्यार्थियों के शैक्षिक समायोजन तथा शैक्षिक सम्प्राप्ति के मध्य सहसम्बन्ध गुणांक 0.569 प्राप्त हुआ है, जो धनात्मक तथा औसत कोटि का है। यह मान विद्यार्थियों के शैक्षिक समायोजन तथा शैक्षिक सम्प्राप्ति के मध्य धनात्मक तथा औसत कोटि के सहसम्बन्ध को प्रदर्शित करता है। प्राप्त सहसम्बन्ध गुणांक 0.01 सार्थकता स्तर पर सार्थक पाया गया है क्योंकि यह मान स्वतन्त्रता की कोटि 448 पर सारणी मान 0.115 से अधिक है। इससे स्पष्ट है कि कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में अध्ययनरत् उच्च प्राथमिक स्तर के विद्यार्थियों के शैक्षिक समायोजन तथा शैक्षिक सम्प्राप्ति में सार्थक रूप से एक ही दिशा में जाने की प्रवृत्ति है। अर्थात् उच्च शैक्षिक समायोजन वाले विद्यार्थियों में उच्च शैक्षिक सम्प्राप्ति प्राप्त करने की प्रवृत्ति अधिक है तथा निम्न शैक्षिक समायोजन वाले विद्यार्थियों में निम्न शैक्षिक सम्प्राप्ति प्राप्त करने की प्रवृत्ति अधिक है।

अतः स्पष्ट है कि शोध परिकल्पना ''कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय में अध्ययनरत् उच्च प्राथमिक स्तर के विद्यार्थियों का शैक्षिक समायोजन उनकी शैक्षिक सम्प्राप्ति से सार्थक रूप से सहसम्बन्धित है'' स्वीकृत की जाती है। परन्तु शून्य परिकल्पना ''कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय में अध्ययनरत् उच्च प्राथमिक स्तर के विद्यार्थियों का शैक्षिक समायोजन उनकी शैक्षिक सम्प्राप्ति से सार्थक रूप से सहसम्बन्धित नहीं है'' निरस्त की जाती है।

सारणी – 2

मॉडल सारांश

मॉडल	बहु सहसम्बन्ध	निर्धारण का गुणांक	निर्धारण का समायोजित गुणांक	अनुमान की मानक त्रुटि
1.	.569	.324	.323	195. 99770

1. शैक्षिक समायोजन

सारणी 2 में शैक्षिक समायोजन तथा शैक्षिक सम्प्राप्ति के रेखीय प्रतिगमन विश्लेषण का मॉडल सारांश प्रस्तुत किया गया है। शैक्षिक समायोजन को पूर्वानुमानक चर तथा शैक्षिक सम्प्राप्ति को मानदण्ड चर के रूप में लिया गया है। सारणी से स्पष्ट है कि प्रतिगमन सहसम्बन्ध गुणांक .569 पाया गया है, जो स्पष्ट करता है कि शैक्षिक समायोजन की पूर्वानुमानक क्षमता 56.9 प्रतिशत है। सारणी से स्पष्ट है कि निर्धारण का गुणांक .324 है, इससे स्पष्ट है कि केवल शैक्षिक समायोजन द्वारा विद्यार्थियों की शैक्षिक सम्प्राप्ति में 32.4 प्रतिशत प्रसरण होता है। इसका अर्थ है कि विद्यार्थियों की 67.6 प्रतिशत शैक्षिक सम्प्राप्ति को शैक्षिक समायोजन के अतिरिक्त अन्य कारणों एवं चरों द्वारा भी प्रभावित किया जाता है।

सारणी – 3
प्रसरण विश्लेषण

मॉडल	प्रसरण का स्रोत	स्वतन्त्रता की कोटि	वर्गों का योग	वर्गों के मध्यमान का योग	एफ	परिणाम
1.	प्रतिगमन	1	8251047.646	8251047.646	214.787	.000
	त्रुटि	448	17209964.354	38415.099		
	योग	449	25461012.000			

मानदण्ड चर : शैक्षिक सम्प्राप्ति
पूर्वानुमानक चर : 1. शैक्षिक समायोजन

सारणी 3 से स्पष्ट है कि शैक्षिक समायोजन का एफ मान (एफ = 214.787) .001 सार्थकता स्तर पर सार्थक पाया गया है, जो प्रतिगमन मॉडल की सार्थकता को सिद्ध करता है। इससे स्पष्ट है कि प्रतिगमन विश्लेषण में शैक्षिक समायोजन विद्यार्थियों की शैक्षिक सम्प्राप्ति का सार्थक पूर्वानुमानक है।

सारणी – 4
विद्यार्थियों की शैक्षिक सम्प्राप्ति पर शैक्षिक समायोजन का प्रतिगमन विश्लेषण परिणाम

मॉडल	अप्रमाणिक गुणांक		प्रमाणिक गुणांक	'टी'	परिणाम
	बी0 गुणांक	मानक त्रुटि	बीटा गुणांक		
(स्थिरांक)	845.609	25.581		33.057	.000
शैक्षिक समायोजन	11.529	.787	.569	14.656	.000

मानदण्ड चर : शैक्षिक सम्प्राप्ति

सारणी 4 में शैक्षिक समायोजन का बीटा गुणांक प्रस्तुत किया गया है। सारणी से स्पष्ट है कि शैक्षिक समायोजन का बीटा गुणांक .569 पाया गया है, जो .001 सार्थकता स्तर पर सार्थक है। यह बीटा गुणांक प्रदर्शित करता है कि शैक्षिक समायोजन विद्यार्थियों की शैक्षिक सम्प्राप्ति से धनात्मक रूप से सहसम्बन्धित है। इससे स्पष्ट है कि (अन्य चरों के प्रभाव को स्थिर रखने पर) विद्यार्थियों के शैक्षिक समायोजन में एक इकाई की वृद्धि होने से उनकी शैक्षिक सम्प्राप्ति में 56.9 इकाईयों की वृद्धि होती है।

अतः स्पष्ट है कि शोध परिकल्पना '' प्रतिगमन विश्लेषण में शैक्षिक समायोजन कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय में अध्ययनरत् उच्च प्राथमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक सम्प्राप्ति के मानदण्ड प्रसरण का अच्छा पूर्वानुमानक है'' स्वीकृत की जाती है। परन्तु शून्य परिकल्पना '' प्रतिगमन विश्लेषण में शैक्षिक समायोजन कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय में अध्ययनरत् उच्च प्राथमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक सम्प्राप्ति के मानदण्ड प्रसरण का अच्छा पूर्वानुमानक नहीं है'' निरस्त की जाती है।

निष्कर्ष

प्रस्तुत शोध से निम्नलिखित निष्कर्ष प्राप्त किये गये :–

1. विश्लेषण में प्राप्त सहसम्बन्ध गुणांक द्वारा यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ है कि कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में अध्ययनरत् उच्च प्राथमिक स्तर के विद्यार्थियों के शैक्षिक समायोजन तथा शैक्षिक सम्प्राप्ति के मध्य सार्थक धनात्मक सहसम्बन्ध है। अर्थात् उच्च शैक्षिक समायोजन वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक सम्प्राप्ति उच्च तथा निम्न शैक्षिक समायोजन वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक सम्प्राप्ति निम्न पायी गयी है। **कॉलागॉस (2011)** द्वारा किये गये अध्ययन में विद्यार्थियों की शैक्षिक सम्प्राप्ति तथा शैक्षिक समायोजन के मध्य सार्थक ऋणात्मक सहसम्बन्ध पाया गया, यह निष्कर्ष वर्तमान शोध के निष्कर्षों का खण्डन करते हैं क्योंकि वर्तमान शोध में शैक्षिक सम्प्राप्ति तथा शैक्षिक समायोजन के मध्य सार्थक धनात्मक सहसम्बन्ध पाया गया है। **माजिद (2018)** द्वारा किये गये अध्ययन में शैक्षिक सम्प्राप्ति तथा शैक्षिक समायोजन के मध्य सार्थक सहसम्बन्ध पाया गया, यह परिणाम वर्तमान शोध के परिणाम के अनुरूप है।
2. रेखीय प्रतिगमन विश्लेषण में प्राप्त बहु सहसम्बन्ध गुणांक तथा निर्धारण के गुणांक से यह निष्कर्ष प्राप्त किया गया कि कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में अध्ययनरत् उच्च प्राथमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक सम्प्राप्ति के लिए शैक्षिक समायोजन की पूर्वानुमानक क्षमता 56.9 प्रतिशत है। शैक्षिक समायोजन द्वारा विद्यार्थियों की शैक्षिक सम्प्राप्ति में 32.4 प्रतिशत प्रसरण पाया गया है।
3. रेखीय प्रतिगमन विश्लेषण में प्राप्त बीटा गुणांक से यह निष्कर्ष प्राप्त किया गया कि अन्य चरों के प्रभाव को स्थिर रखने पर विद्यार्थियों के शैक्षिक समायोजन में एक इकाई की वृद्धि होने से उनकी शैक्षिक सम्प्राप्ति में 56.9 इकाईयों की वृद्धि होती है।

शैक्षिक निहितार्थ

प्रस्तुत शोध से यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ है कि कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में अध्ययनरत् बालिकाओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति को शैक्षिक समायोजन धनात्मक रूप से प्रभावित करता है। इस दृष्टि से यह आवश्यक है कि विद्यालय में बालिकाओं को स्वस्थ एवं सन्तुलित वातावरण प्रदान किया जाए जिससे बालिकाएं विद्यालय परिवेश में समायोजित हो सके। कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों की बालिकाएं पिछड़े क्षेत्रों की होती हैं। उन्हें आरम्भ से ही अपनी शिक्षा हेतु संघर्ष करना पड़ता है तथा शैक्षिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है जिससे वे शिक्षा के क्षेत्र में पिछड़ जाती हैं व शैक्षिक रूप से

कुसमायोजित हो जाती हैं। अतः विद्यालय में ऐसी सुविधाएं उपलब्ध करायी जानी चाहिए जिससे उनकी शैक्षिक समस्याएं दूर की जा सके। बालिकाओं के शैक्षिक समायोजन के लिए उत्तम शिक्षकों की नियुक्ति की जानी चाहिए जो व्यक्तिगत रूप से बालिकाओं को विद्यालय में समायोजन करने में सहायक हो सके।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. *कॉलागॉस, जी0एम0 (2011). एकेडमिक अचीवमैन्ट एण्ड एकेडमिक एडजस्टमेंट डिफिक्लटीज अमंग कॉलेज फ्रैशमैन. रिसर्चस वर्ल्ड, 2(3), 72–76।*
2. *ठक्कर, के0आर0 एवं मोदी, एन0के0 (2014). ए स्टडी ऑफ एडजस्टमेंट ऑन एकेडमिक अचीवमैन्ट ऑफ हाई स्कूल स्टूडेंट्स. इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन ऑल सब्जेक्ट्स इन मल्टी लैंग्वेजेस, 2(7), 18–21।*
3. *देवी, सी0बी0 (2015). स्कूल एडजस्टमेंट एण्ड एकेडमिक अचीवमैन्ट अमंग ट्राइब्ल एडोलसेंट्स इन मणिपुर. इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ साइन्टिफिक एण्ड टैक्नॉलाजी रिसर्च, 4(12), 102–105।*
4. *बानो, ए0 एवं नसीर, एन0 (2014). सोशल एडजस्टमेंट एण्ड एकेडमिक अचीवमैन्ट ऑफ प्राइमरी ग्रेडर्स. पाकिस्तान जर्नल ऑफ सोशल साइन्सेज, 34(1), 217–227।*
5. *माजिद, एस0 (2018). द रिलेशनशिप बिटवीन एकेडमिक सैल्फ एफिकेसी, एकेडमिक रेजिलिएन्स, एकेडमिक एडजस्टमेंट एण्ड एकेडमिक परफोरमैन्स अमंग मेडिकल स्टूडेंट्स. एजुकेशन स्ट्रैटजिज इन मेडिकल साइन्सेस, 11(2), 7–14।*
6. *माडीवाल, ए0पी0 एवं बमागोंड, ए0वी0 (2018). ए स्टडी ऑफ रिलेशनशिप बिटवीन एकेडमिक अचीवमैन्ट एण्ड स्कूल एडजस्टमेंट ऑफ स्टूडेंट्स ऑफ कोस्टल एण्ड नॉन–कोस्टल सैकेन्डरी स्कूल्स. इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ एडवान्सड रिसर्च इन एजुकेशन एण्ड टैक्नॉलॉजी, 5(1), 13–15।*
7. *राधाकृष्णन उद्धृत भारत में शिक्षा का विकास, द्वारा गुरूसरनदास त्यागी, प्रकाशक : विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा, संस्करणः 2002, पृ0सं0 41।*
8. *वर्मा, आर0के0 एवं कुमारी, एस0 (2016). एकेडमिक अचीवमैन्ट ऑफ चिल्ड्रन एट एलीमैन्ट्री स्टेज इन रिलेशन टू देयर एडजस्टमेंट. जी0जे0आर0ए0 – ग्लोबल जर्नल फॉर रिसर्च एनालिसिस, 5(1), 310–312।*
9. *सरकार, एस0 एवं बानिक, एस0 (2017). ए स्टडी ऑफ एडजस्टमेंट एण्ड एकेडमिक अचीवमैन्ट ऑफ एडोलेसेन्ट स्टूडेंट्स. इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च–ग्रन्थालय, 5(6), 659–668।*
10. *सीकर, एम0ए0 एवं लॉरेन्स, ए0 (2016). इमोशनल, सोशल, एजुकेशनल एडजस्टमेंट ऑफ हायर सेकेन्डरी स्कूल स्टूडेंट्स इन रिलेशन टू एकेडमिक अचीवमेन्ट. आई–मैनेजर्स जर्नल ऑफ एजुकेशनल साइक्लॉजी, 10(1), 29–35।*